राज कामिक्स विशेषांक

संख्या 49

नागराज का अंत

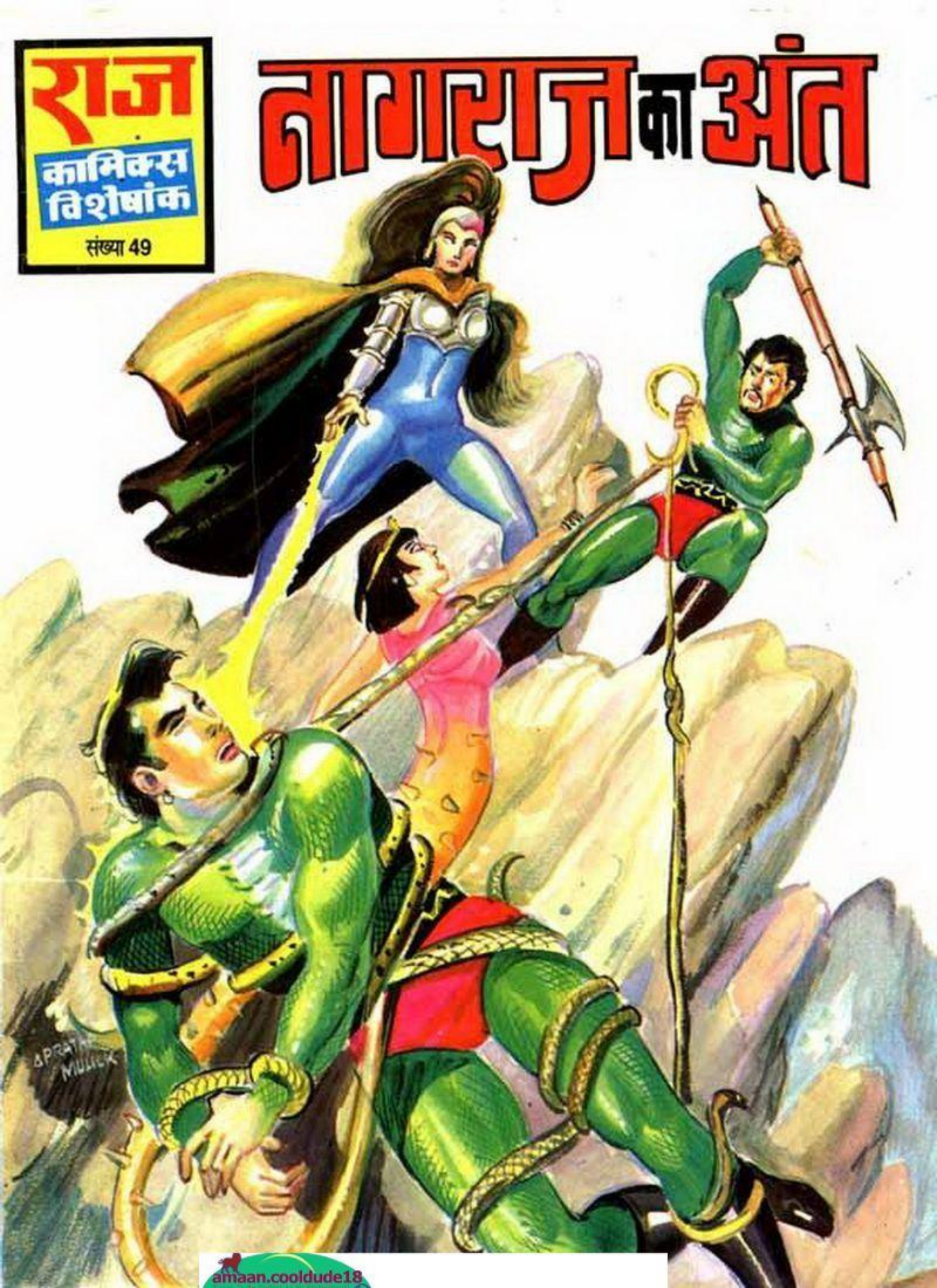

amaan.cooldude18

देखने वाले थाम लें, अपने-अपने धड़कते दिल-
और जो नहीं देख सकते, वे बंद कर लें अपनी-अपनी भयभीत आंखें- क्योंकि अब होने वाला है...
नागराज का अंत
लेखक: अनुपम सिन्हा, हनीफ अजहर • चित्र: अनुपम सिन्हा • इंकिंग: विनोद कुमार • सुलेख स्वं रंग: सुनील पाण्डेय • संपादक: मनीष गुप्ता
हा हा हा... अब तुम्हारा मौत से बचना असंभव है नागराज, क्योंकि जिस गोंद से तुम जाले के साथ चिपके हुए हो, उससे तुम तभी छूट सकते हो जब तुम्हारे शरीर से तुम्हारी सारी खाल उतार दी जाए। हा हा हा।
ओह!. तो मिस किलर के कहने पर मानवी ने मुझे यहां ला फंसाया है। लेकिन उसने ऐसा क्यों किया, यह मैं उससे जरूर पूछूंगा तब, जब मैं यहां से बचकर निकल जाऊंगा।
लेकिन ऐसा होगा कैसे? क्योंकि कुछ पलों बाद ही दो मिनट पूरे हो जाएंगे...
...और ऐसा होते ही मेरा निशाना लेकर सेट की गई लेजर गनें चलेंगी, और मुझे राख में बदल डालेंगी।

अचानक - बिजली सी कौंध गई नागराज के मस्तिष्क में -

खाल! मिस किरण के शब्दों में मेरे बचने का तरीका छुपा हुआ है, मैं बच सकता हूं अगर मैं गोंद से चिपकी अपनी खाल उतारने में सफल हो जाऊं तो...

... और ऐसा कर लेना मेरे लिए मुश्किल नहीं है...

... क्योंकि मैं सर्पों की विशेषताओं वाला मानव हूं। सर्पों के सभी गुणों के साथ-साथ मुझमें यह भी गुण है...

...कि मैं अपनी केंचुली बदल सकता हूं। अब सिर्फ इतना ही समय है...

...कि मैं अपनी बेल्ट के अंदर सूक्ष्म रूप में रखा ओवरकोट, जूते, बेल्ट आदि निकालकर पोशाक बदल लूं।

और फिर उछलकर, जाले से बिना छुए, दीवार पर चिपक जाऊं।

www.rkoscans.co.nr

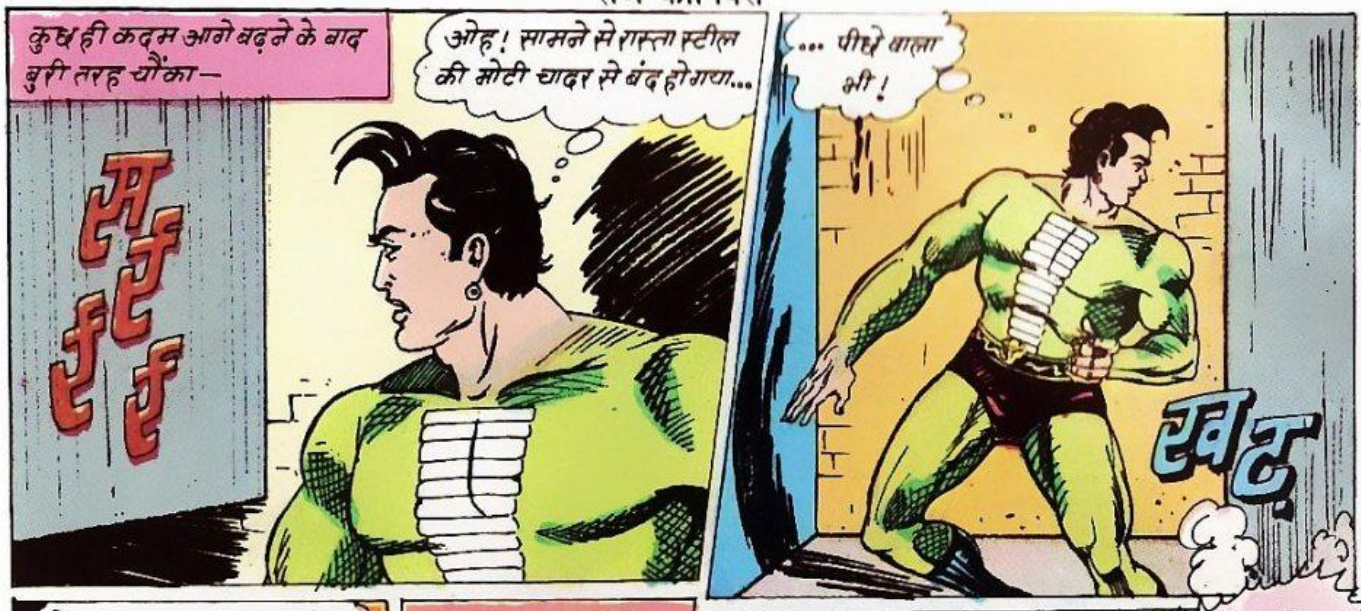

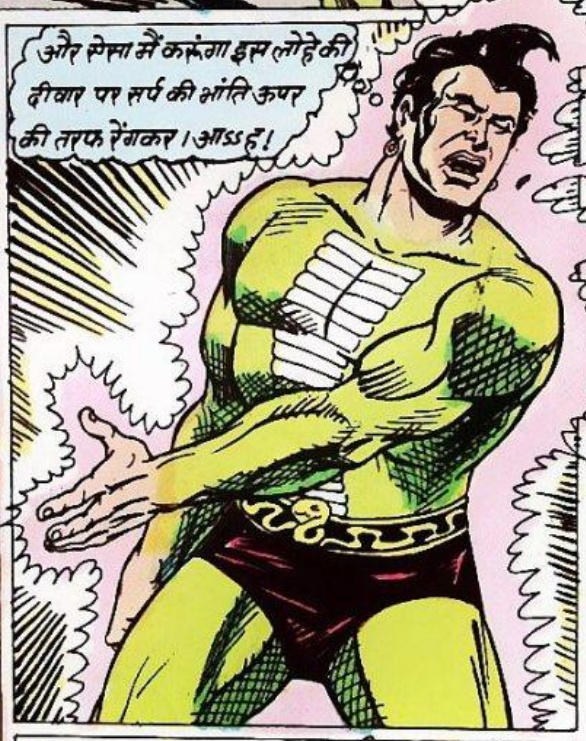

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

मड आइलैंड! मैं जानता हूं वहां मिस किलर ने मेरे लिए मौत का एक नया जाल बिछा रखा होगा। लेकिन मेरा वहां पहुंचना बहुत जरूरी है, क्योंकि मानवी और उसके परिवार वालों की जान खतरे में पड़ गई है। अगर उन्हें कुछ हो गया तो मैं अपने आपको कभी माफ नहीं कर पाऊंगा।

नागराज तुरन्त ही मड आइलैंड की तरफ रवाना हुआ—

उन दो घूरती आंखों से बेखबर जो आश्चर्य लिए उसे ही देख रही थीं—

मड आइलैंड—

कौन थी यह?

WWW.RKOSCANS.CO.NR

आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं उसकी सामने के उस दृश्य को देखकर जो आठवें अजूबे से भी बड़ा अजूबा था –
ये पीछे क्या है?
अपने पीछे आवाज सुनकर पलटा नागराज –
ओह! दलदल के नीचे से निकले ये भयानक जानवर। जिनके शरीरों से घातक आधुनिक गनें बंधी हुई हैं।

WWW.RKOSCANS.CO.NR

अब—

गन, हाथ में आते ही नागराज ने उसका इस्तेमाल करने में एक पल भी नहीं गंवाया—

दचूंम

दूसरा पल नागराज के लिए बेहद आश्चर्य जनक था—

नागराज की सोचों को उस तेज प्रहार ने भंग किया—

आह!

तड़ाक

धड़ाम से सिर के बल नीचे आ गिरा नागराज—

ओह! वह प्राणी तो तेजी से कीचड़ में बदलता जा रहा है, इसका मतलब मैं जिन्हें लाखों वर्ष के जीवित प्राणी समझ रहा हूं वह कीचड़ के बने हुए हैं, लेकिन मिस किलर ने इनका निर्माण कैसे किया होगा?

अभी संभल भी नहीं पाया था कि उस पर एक और मुसीबत आ टूटी—

दलदल से निकले उस विचित्र से प्राणी की भुजाएं नागराज के शरीर से आ लिपटीं—

इन भुजाओं का मेरे शरीर पर कसाव धीरे-धीरे बढ़ रहा है। मुझे इनसे स्वयं को तुरंत आजाद करना होगा।

WWW.RKOSCANS.CO.NR

* अदृश्य मानव के बारे में जानने के लिए पढ़िए 'अदृश्य हत्यारा'

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

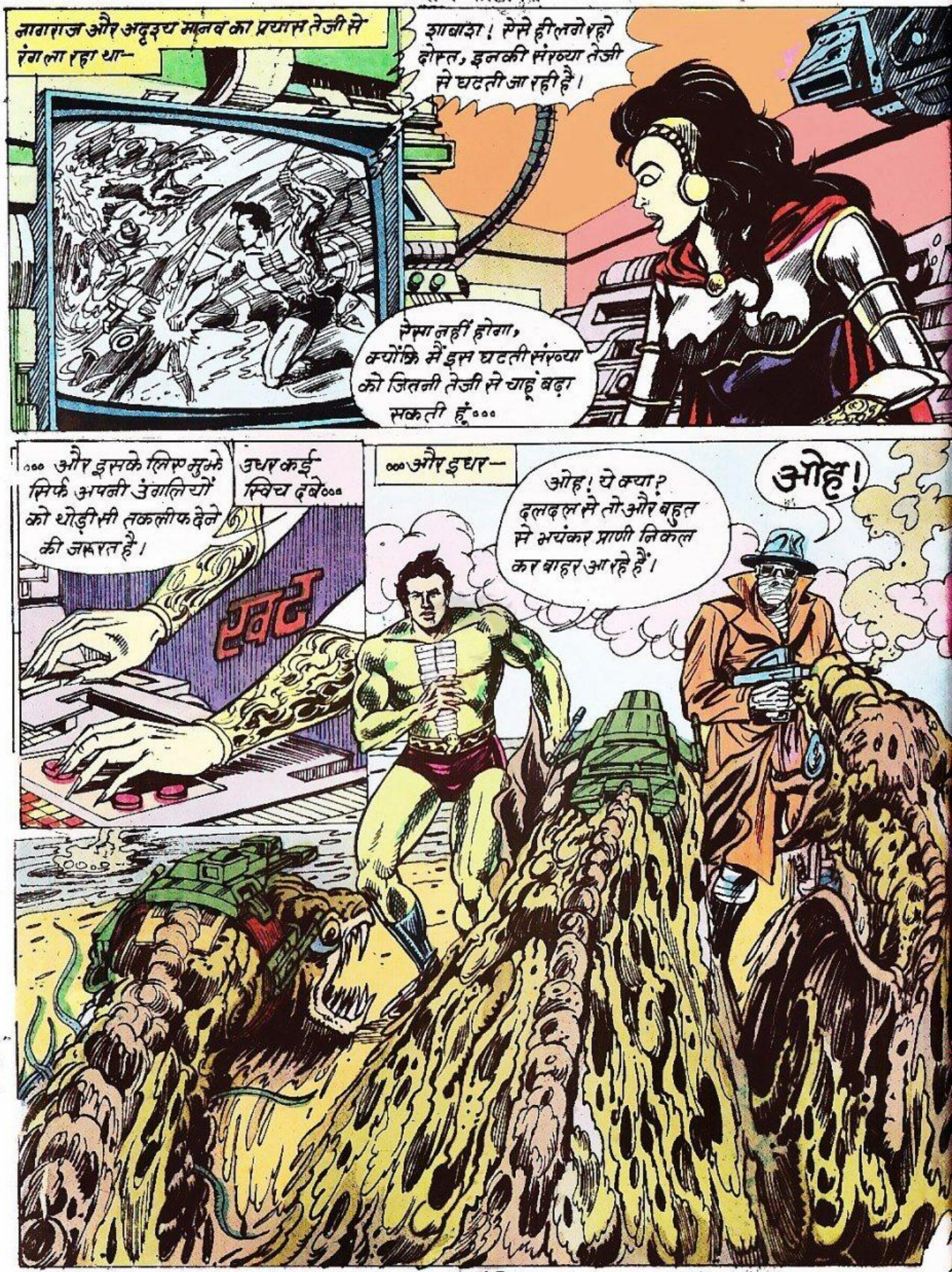

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO

WWW.RKOSCANS.CO.NR

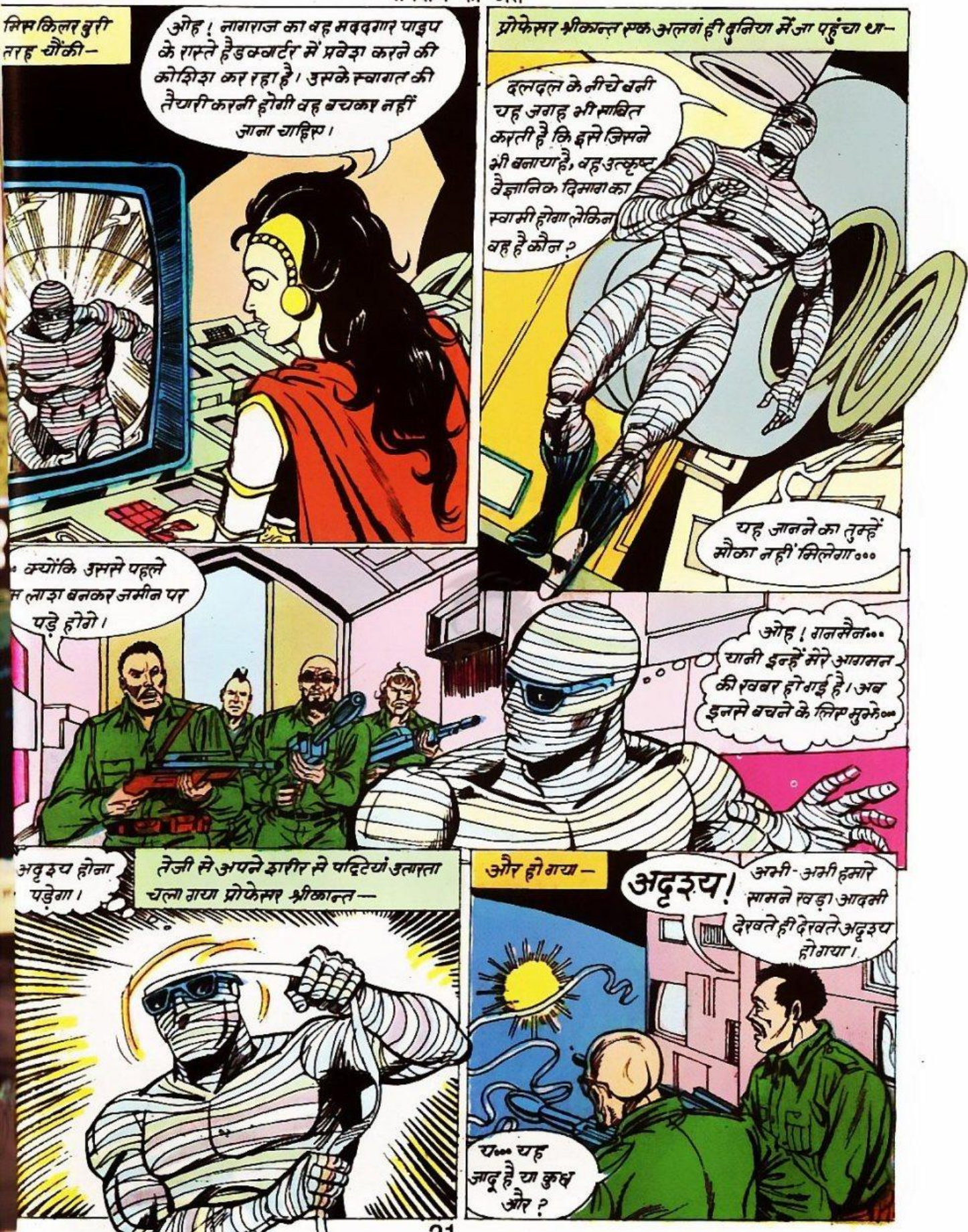

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

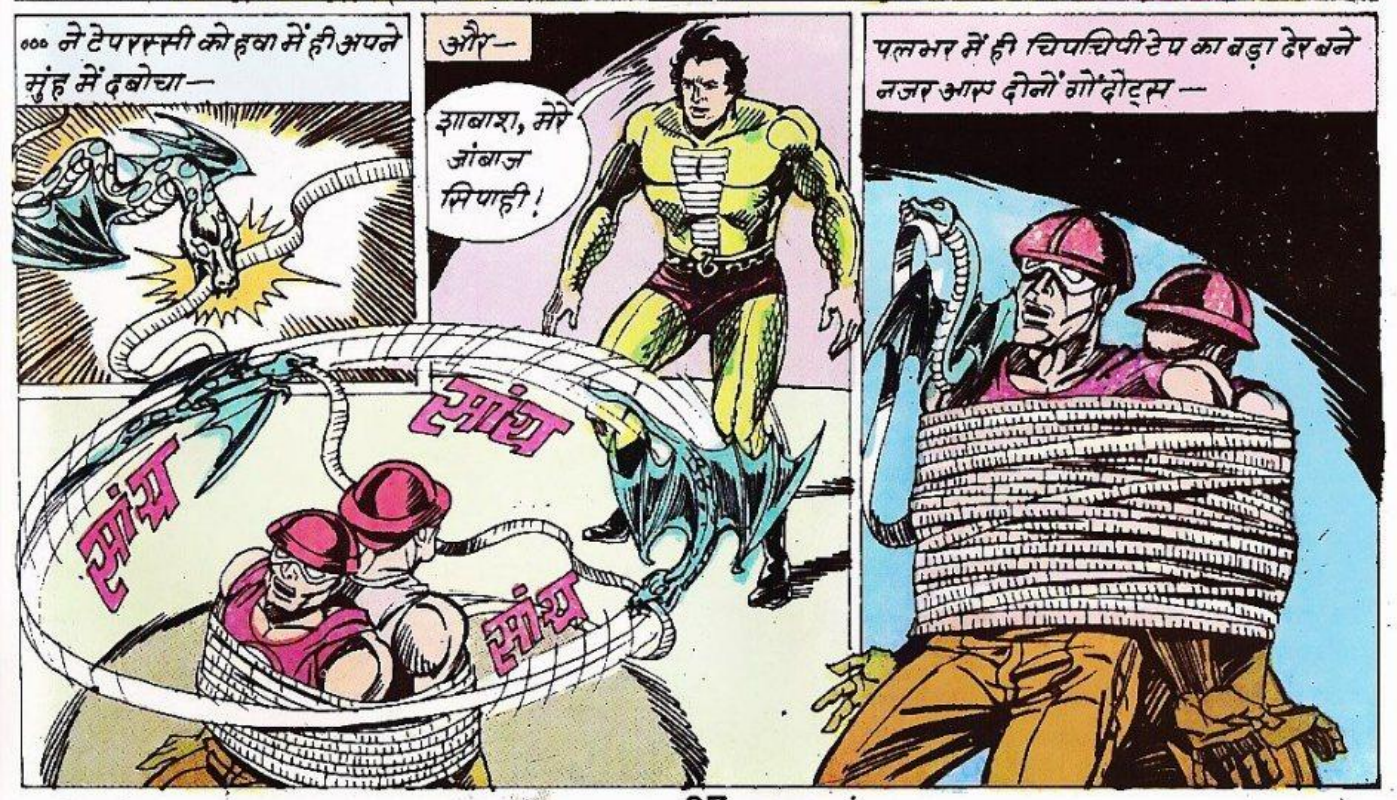

WWW.RKOSCANS.CO.NR

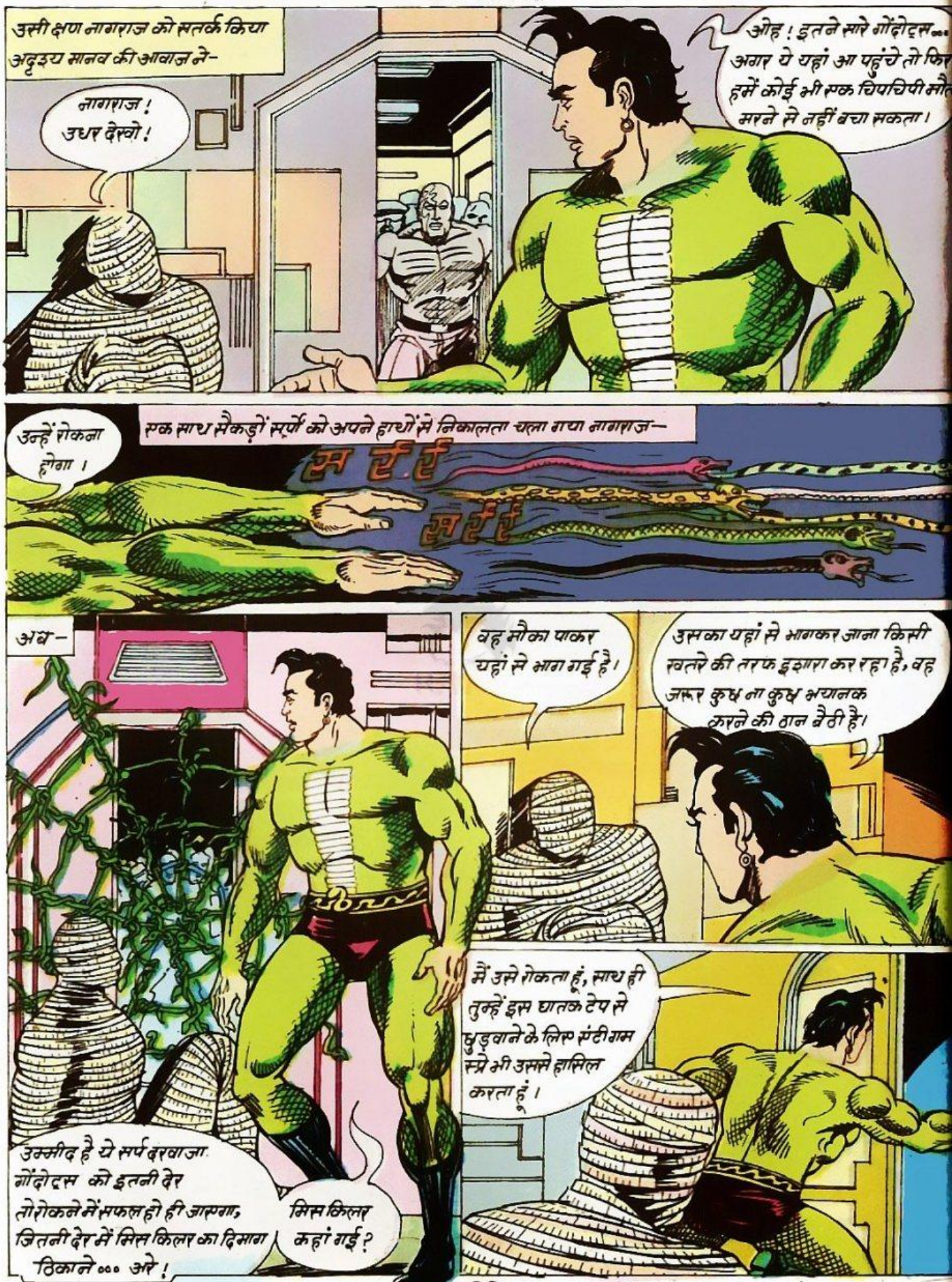

WWW.RKOSCANS.CO.NR

उड़न सिख मिल्खा सिंह की भांति भागता नागराज कंट्रोल रूम में पहुंचा—

मिस किलर तो यहां कहीं नजर नहीं आ रही। कहां गई वह?

मैं यहीं मौजूद हूं नागराज!

और मेरे साथ मौजूद है... तेरी मौत! तूने दलदल के रास्ते यहां पर आकर अपनी मौत का रास्ता खुद चुन लिया है...

... दलदल में से गुजरकर यहां पर आते समय, तेरे शरीर के कुछ कण भी दलदल में मिल गए थे...

... और उन कणों को समेटकर, मेरी अद्‌भुत 'लाइफ-मशीन' ने बना दी है तेरी मौत!

ओह! दलदल के कीचड़ से बना मेरा ही प्रतिरूप!

नागराज ने पहला वार, खुद करने का फैसला कर लिया था–
धाड़.
यह मेरा प्रतिरूप काफी खतरनाक लग रहा है! इससे पहले कि यह मुझ पर हमला करे, मैं इसको काबू में••• आह!
नागराज को ऐसा लगा, मानो उसने अपना पैर, चट्टान पर दे मारा हो–
और प्रतिरूप के वार ने उसके दिमाग का पुर्जा-पुर्जा हिलाकर रख दिया–
आऽऽऽह!
धाड़.
हा हा हा! यह तो मैं तुमको बताना भूल ही गई नागराज, कि इसका शरीर पत्थर सा सख्त है। और इसमें शक्तियां भी तुम्हारे जैसी ही हैं•••
••• फर्क सिर्फ इतना है कि तुम्हारे हाथ से असली सर्प निकलते हैं, और इसके हाथों से•••
••• कीचड़ के सांप! इनका मुझ पर क्या असर होगा, यह मुझे नहीं पता। मुझे इनसे बचना होगा।

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

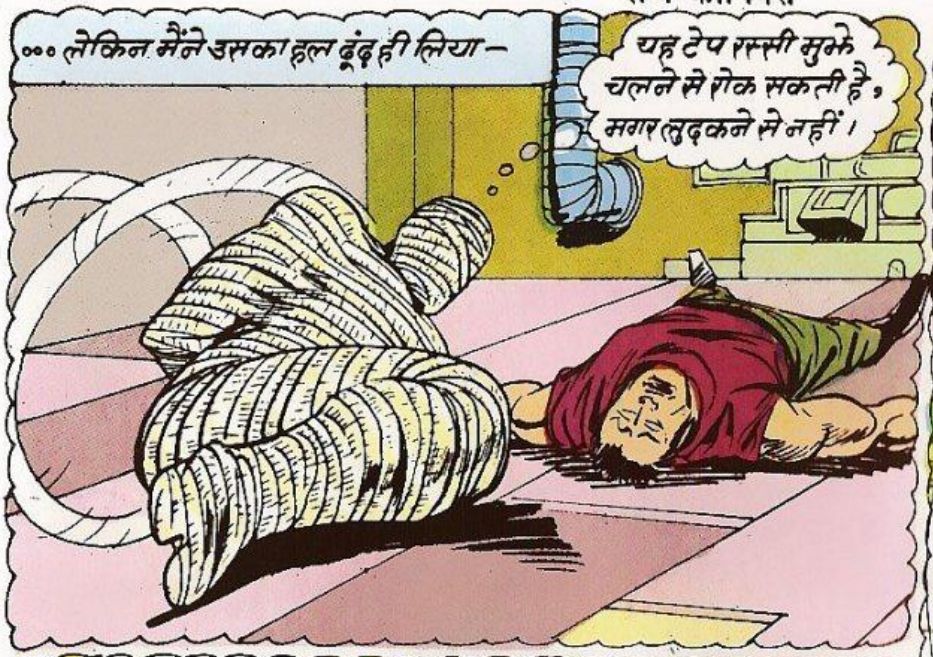

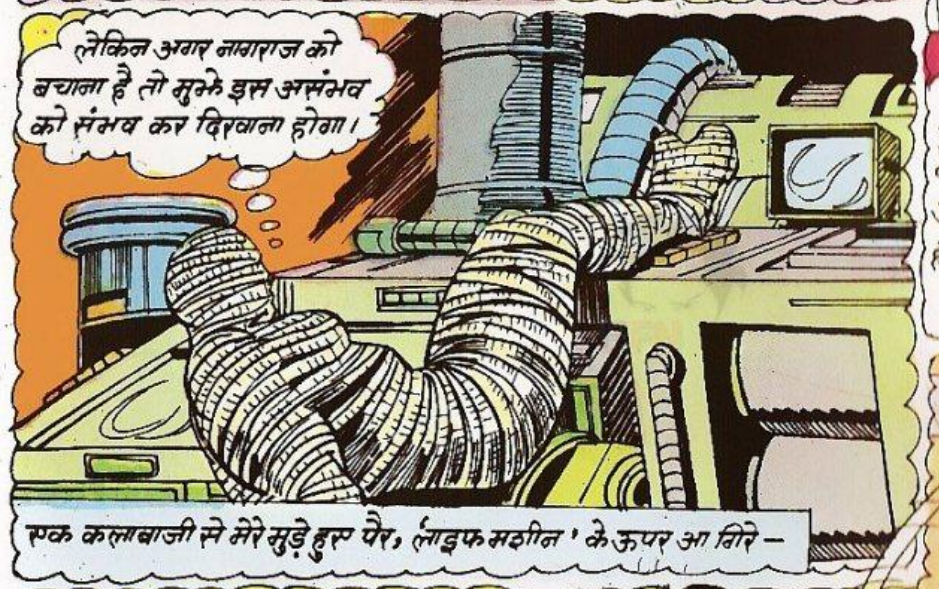

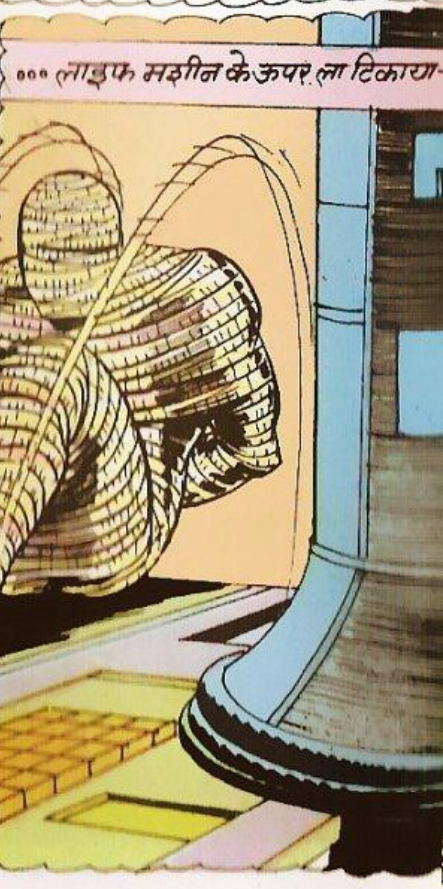

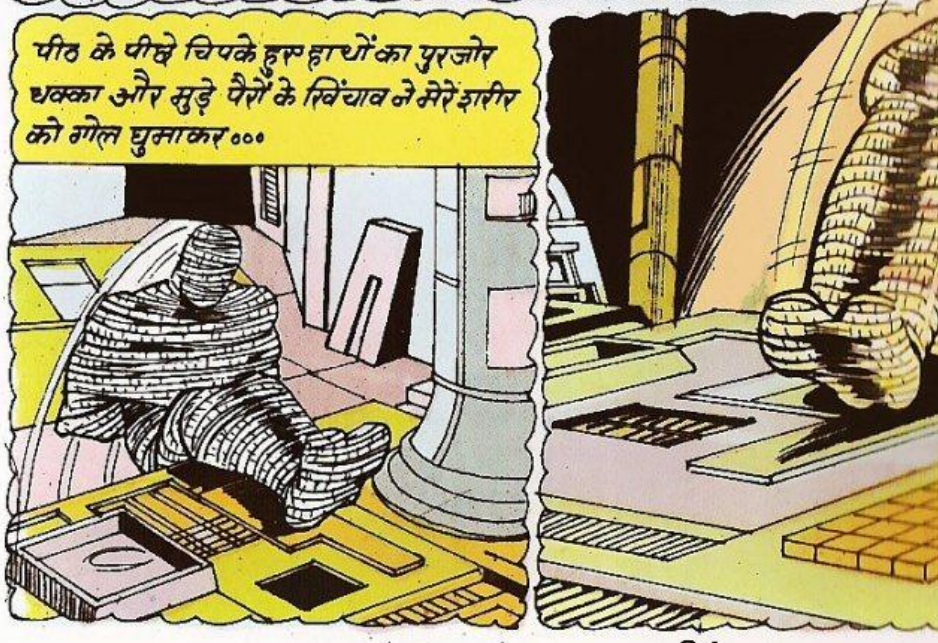

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

ठीक कहते हो नागराज! लेकिन ये शुभ काम तुम अपने हाथों से ही पूरा करो!

पर पहले मुझे नीचे उतार लो!

नागराज की शक्ति का अद्भुत नमूना था, उस लाइफ मशीन को तोड़ना—

चलो, अब अपना काम खत्म हुआ!

अभी नहीं दोस्त, अभी तो हमको मानवी और उसके परिवार वालों को ढूंढ़ कर उन्हें आजाद करना है और फिर मिस किलर को जेल पहुंचाना है।

लेकिन पहले इन सबसे जरूरी एक काम...

... तुम्हें इस एंटी गम स्प्रे की सहायता से टेपरस्सी से आजाद करवाना!

ऐंटी गम स्प्रे

टेपरस्सी छूटने के साथ ही अदृश्य हो गए प्रोफेसर श्रीकांत—

मैं तुम्हारे इस सहयोग को जीवन भर नहीं भूलूंगा दोस्त!

कोई बात नहीं नागराज! मुझे तो तुम्हारी सहायता करके खुशी ही हुई है!

फिर नागराज ने मानवी और उसके परिवार वालों को आजाद कराया—

मुझे माफ करना नागराज, मेरी वजह से तुम...

मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं है मानवी। तुम्हारी जगह मैं भी होता तो वैसा ही करता।

आओ अब वापस चलें, क्योंकि अभी मेरी तलाश पूरी नहीं हुई है और मेरी तलाश तुम्हारी सहायता के बिना पूरी हो भी नहीं सकती।

फिर सभी हंसी-खुशी वहां से रवाना हुए—

WWW.RKOSCANS.CO.NR

इधर किले के अन्दर खास महल से सन्नाटे को नागपाड़ा की गंभीर आवाज ने भंग किया—

दोस्तो... पहले जादूगर झाकूरा और अब मिस किलर दोनों ही ना केवल नागराज को मारने में असफल रहे, बल्कि अपने-अपने वर्तमान जीवन को भी अंधकार में धकेल बैठे।

जहां जादूगर झाकूरा को उसके ग्रह वाले बंदी बनाकर अपने साथ ले गए वहीं मिस किलर भारत की किसी अत्यन्त सुरक्षित जेल की शोभा बढ़ाएगी।

और इन दो महारथियों की हार ने मेरे मनोबल को भारी ठेस पहुंचाने के साथ-साथ यह बात भी मेरे दिमाग में बिठा दी है कि नागराज को कोई भी नहीं समाप्त कर सकता!

एक झटके से उठ खड़ा हुआ प्रोफेसर नागमणि गरजा—

इस बात को अपने दिमाग से निकाल दीजिए श्रीमान नागपाड़ा! मैं नागराज का निर्माता हूं। और मैं उसे चुटकियों में खत्म कर सकता हूं, आप मुझे मौका दीजिए!

चट

फिर तो सभी खड़े हो गए—

नहीं, मैं करूंगा इस शुभ काम को!

अगर नागदंत ना कर सका इस छोटे से काम को तो भला दुनिया में कौन जानेगा नागदंत के नाम को!

मुझे मिलना चाहिए ये मौका!

नहीं मुझे!

हिन्दी फिल्म के किसी विलेन की भांति मुस्कराकर बोला नागपाड़ा—

फिर वही पहले वाला विवाद... जिसका फैसला उसी तरीके से होगा...

...लक व्हील घुमाकर!

तेजी से घूम उठी लक व्हील की सुई—

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

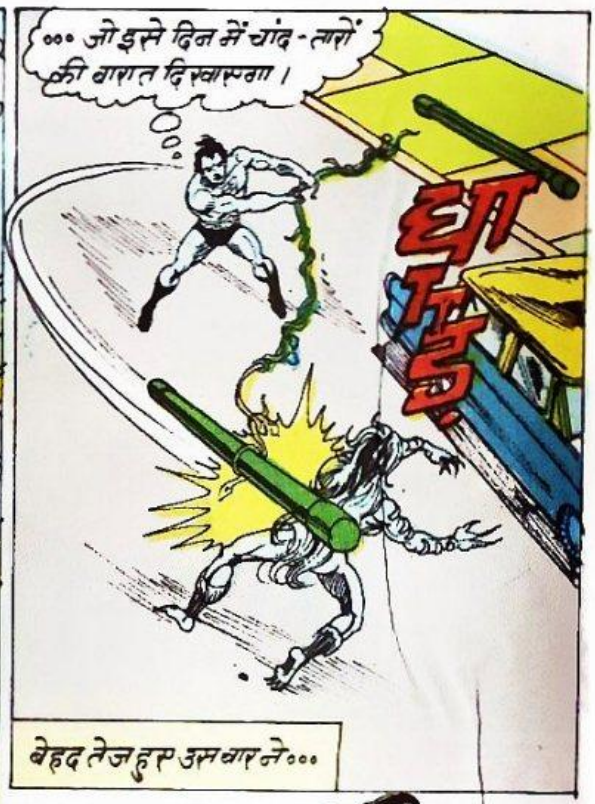

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

ओह! ये मुझ पर झट्टान फेंकने जा रहा है! नागरस्सी पर झूलकर बचना होगा। और उसके लिए निकालने होंगे नाग... अरे!

... अगर सोचता ही रह जाता तो फिर कुछ सोचने लायक ना रह गया होता—

उफ्! बाल-बाल बचा! मुझे अपनी नागशक्तियों का फिर परीक्षण करके देखना होगा।

कड़ड़ड़ड़

ये क्या? दसियों फुट लंबी नाग रस्सी निकलने की बजाए मेरे शरीर से सिर्फ एक ही नाग निकला है! उफ! क्या हो रहा है ये?

सोच में डूबा हुआ नागराज...

इस बार तो और भी गजब हो गया—

एक भी नाग नहीं निकला... नागशक्ति बिल्कुल खत्म!

उफ्! क्या हुआ... क्या हुआ है... मेरी नाग शक्तियों को? क्यों मेरे शरीर से बाहर नहीं निकल रहीं वो?

किसी और तरीके से इस नागफन को वश में करना होगा! और वह काम करेगा मेरा यह ओवरकोट!

नागराज ने बिजली की सी फुर्ती से नागफन के घातक फन को, ओवरकोट की लपेट में ले लिया—

फुस्स

WWW.RKOSCANS.CO.NR

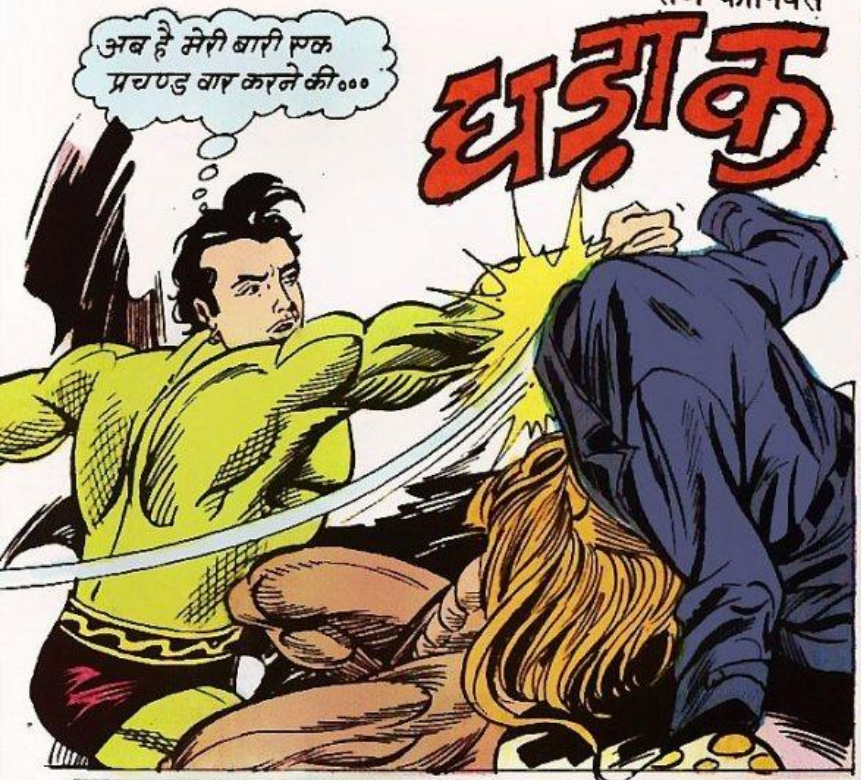

* उपरोक्त के बारे में जानने के लिए अवश्य पढ़िए 'फिर आया नागदंत'

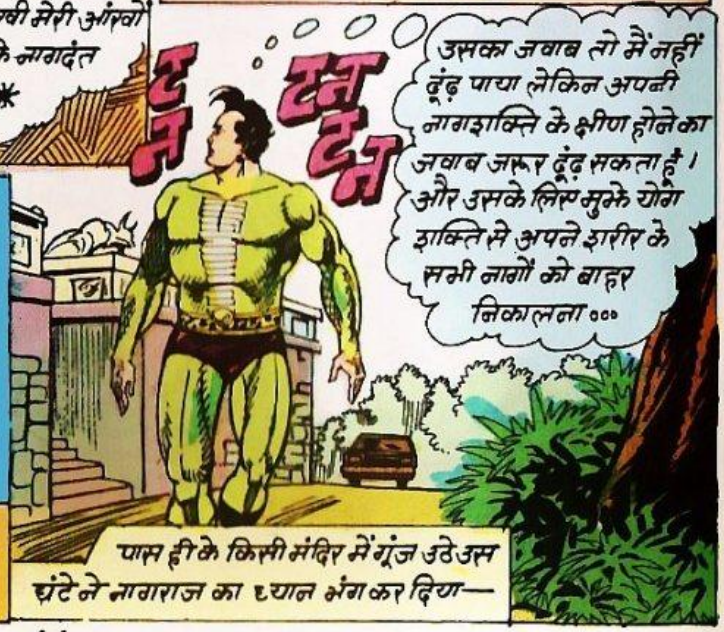

www.rkoscans.co.nr

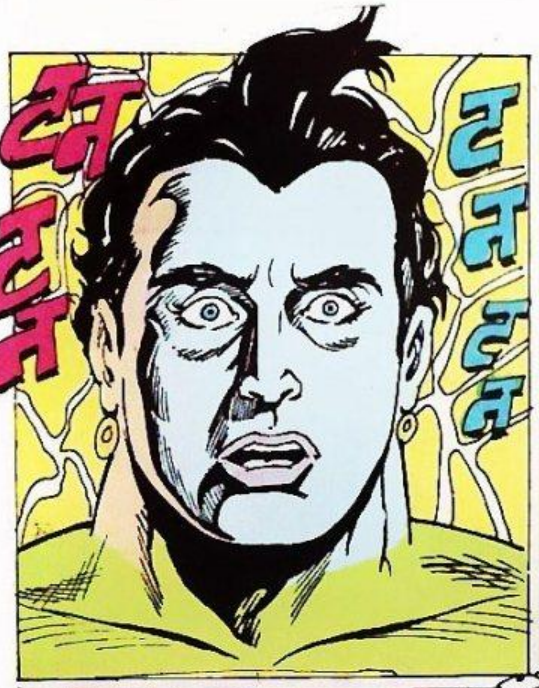

अचानक मंदिर की तरफ बढ़ते नागराज ने अपना रास्ता बदल लिया—

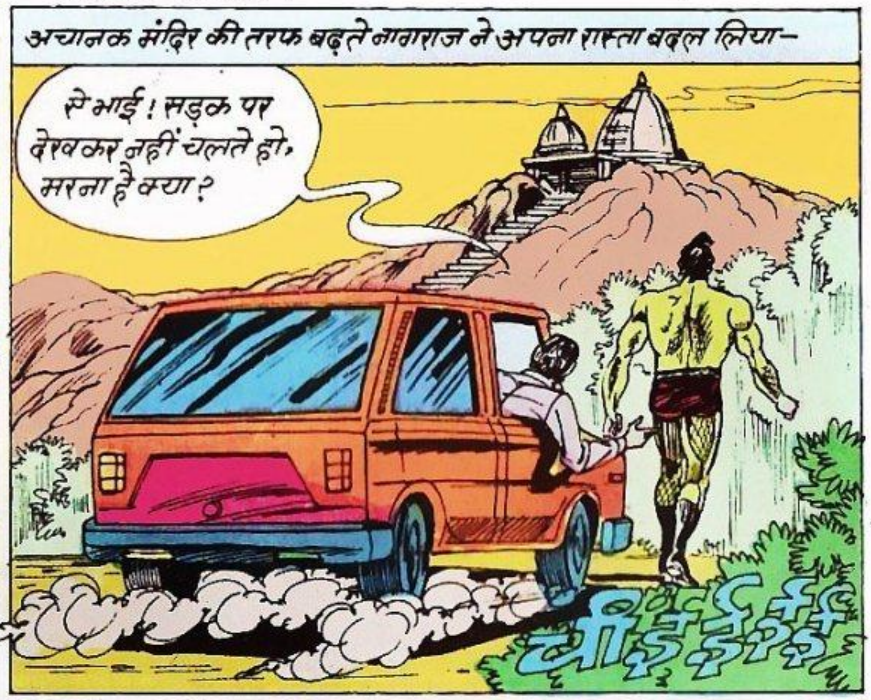

एक झटके से नागराज पीछे घूमा—

बाकी के शब्द उसके गले में अटककर रह गए क्योंकि—

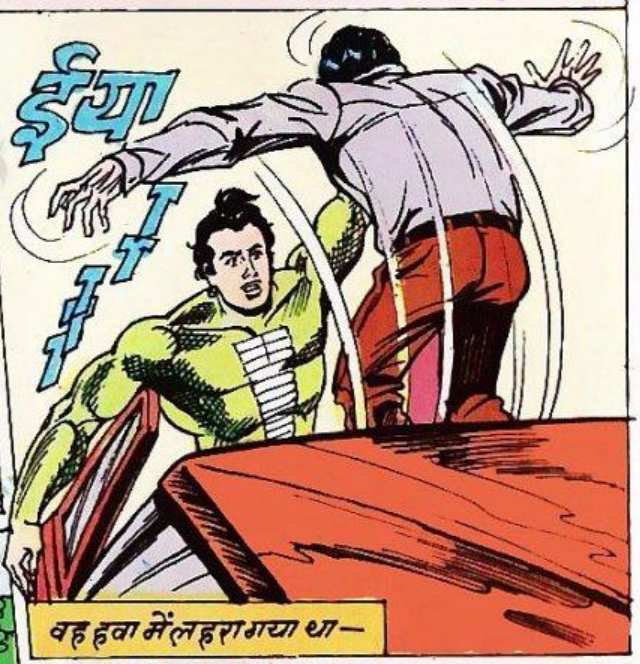

वह हवा में लहरा गया था—

और जबतक वह संभलता, नागराज उसकी कार लेकर उड़नछू हो चुका था—

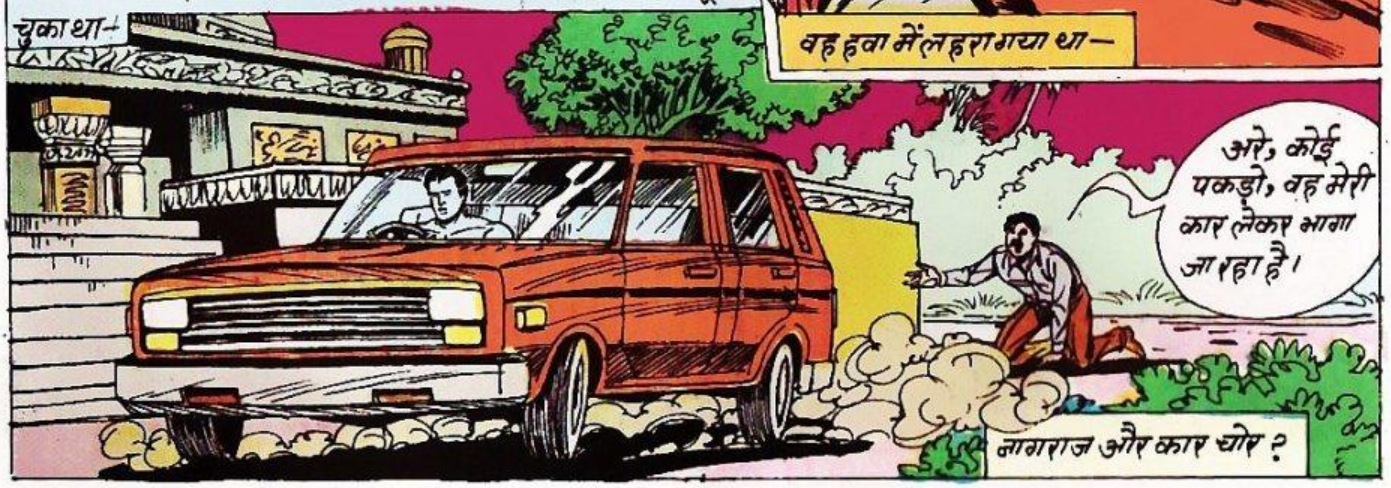

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkdscans.co.nr

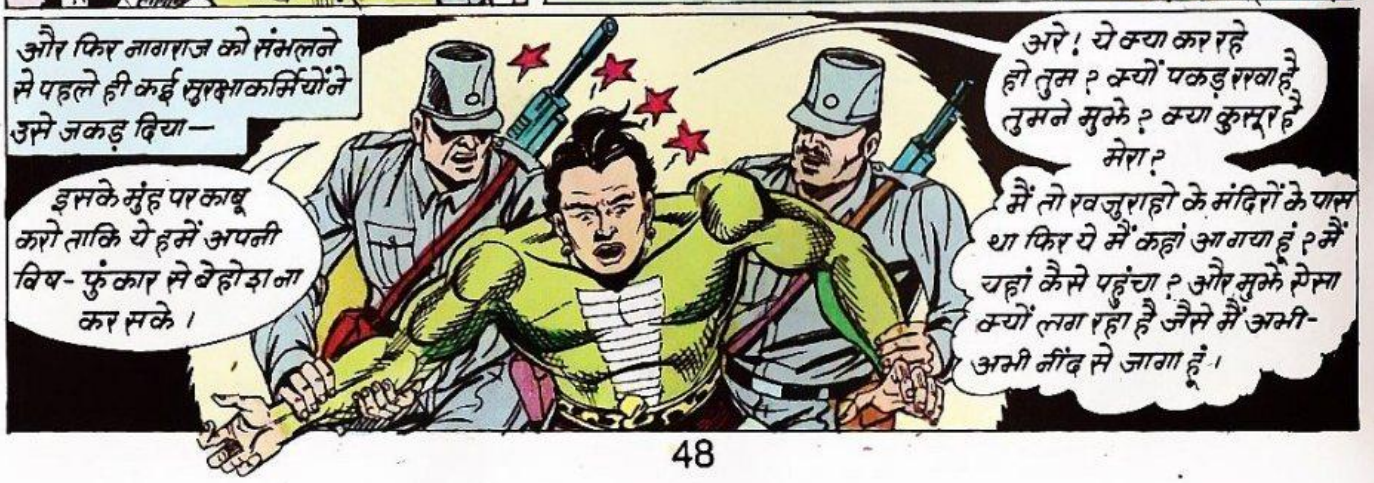

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

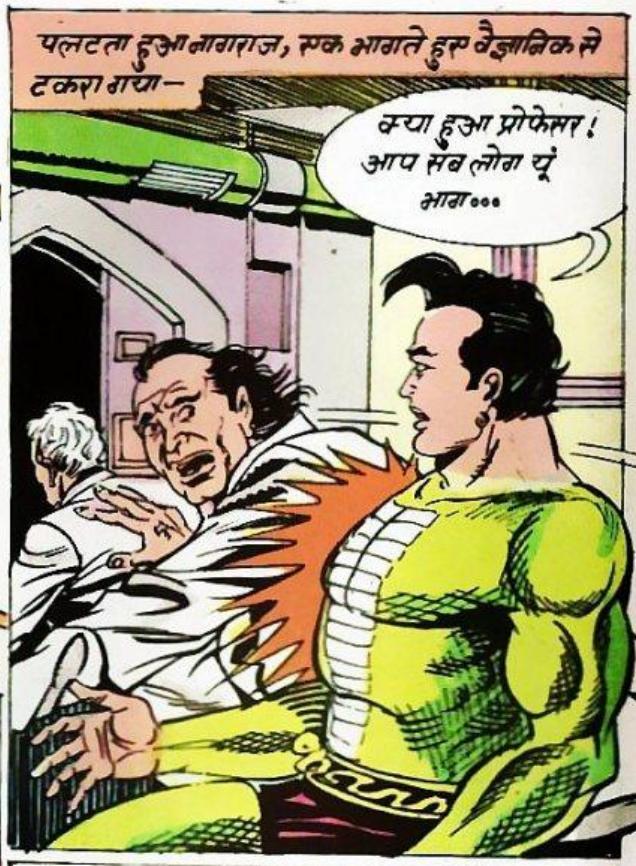

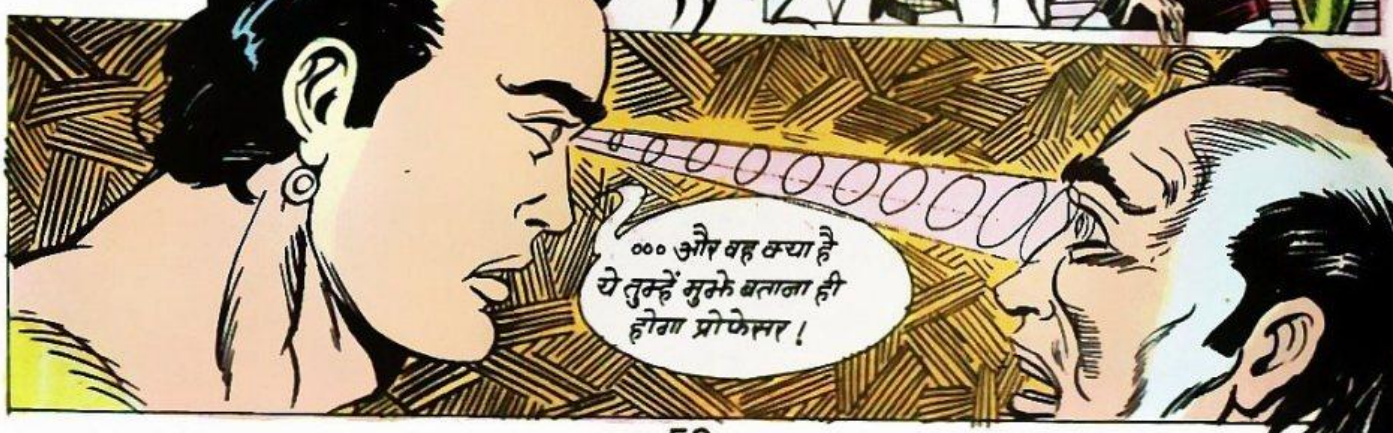

WWW.RKOSCANS.CO.NR

सम्मोहन में फंसे प्रोफेसर ने तुरन्त ही बोलना शुरू कर दिया-

परमाणु बम जहां रखा हुआ है ठीक उसके नीचे उसकी पॉवर बैटरी, कंट्रोल वायरें वगैरहा फिट हैं, जो एक अंडरग्राउंड रास्ते से जाकर हमने वहां फिट की हुई हैं। उस रास्ते से जाकर अगर कोई उस पॉवर बैटरी और कंट्रोल वायरों को काट दे तो बम को फटने से रोका जा सकता है ...

... लेकिन ऐसा होना इसलिए असंभव है क्योंकि एक तो इस समय तक वहां तक पहुंचने वाले अंडरग्राउंड रास्ते पर फटने को तैयार परमाणु बम से जनरेट हुई गर्मी का तापमान काफी अधिक हो गया होगा, जिसे आम आदमी नहीं सह सकता ...

... और ऊपर से सिर्फ दो मिनट में कोई भी इंसान परमाणु बम के नीचे फिट उस बैटरी व वायरों तक नहीं पहुंच सकता क्योंकि वे सभी बम के काफी अन्दरूनी हिस्से में लगी हुई हैं, वहां तक पहुंचने के लिए काफी सामान को खोलना पड़ेगा जो इतने कम समय में हरगिज नहीं हो सकता। फिर बताओ कोई मनुष्य वहां तक कैसे पहुंच सकता है।

अंजाम कुछ भी हो प्रोफेसर, मैं वहां तक पहुंचने की कोशिश जरूर करूंगा।

जल्द ही नागराज परमाणु बम के ठीक नीचे पहुंचने वाले अंडरग्राउंड रास्ते पर भागा जा रहा था—

सचमुच यहां काफी गर्मी है। लेकिन मेरे शरीर पर नागों की विशेष खाल होने की वजह से मैं इसे कुछ समय तक जरूर सह सकता हूं, और वही कुछ समय मेरे लिए काफी होगा।

अचानक भागता - भागता नागराज औंधे मुंह गिरा—

?

WWW.RK...S.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

* नागराज के इच्छाधारी रूप और सौगन्ध के विषय में जानने के लिए पढ़ें- 'इच्छाधारी नागराज' और 'बकोरा का जादू'।

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

इसलिए अब समय है यह देखने का कि मेरी नागशक्तियां मेरे बुलावे पर क्यों नहीं आईं ? कौन है जो मेरे मस्तिष्क को अपने वश में कर लेता है, और किसकी हैं वे नागशक्तियां जो मेरे शरीर में वास कर रही हैं...

... ये सब जानने के लिए मुझे अपनी योग क्रिया का सहारा लेना होगा !

नागराज योग मुद्रा में बैठ गया—

धीरे - धीरे उसके शरीर से निकलने लगीं सभी नागशक्तियां —

उनहीं के साथ निकला वह अनोखा नाग भी—

जो तेजी से एक तरफ सरक गया—

नागराज ने अपनी आंखें खोलीं तो वह हैरान रह गया—

ओह ! ये सब तो मेरी ही नागशक्तियां हैं, तो वे नागशक्तियां कहां गईं जो मेरे शरीर से निकलकर मेरे ही विरुद्ध हो गई थीं !

वे शक्तियां मेरी थीं, नागराज !

... मैं जो तुम्हारे शरीर से बाहर निकला तो वे भी मेरे साथ ही निकल गईं !

नागदंत ! त... तुम !

हां, नागराज मैं ! मैं ही तुम्हारी उन नागशक्तियों के साथ नाग रूप में तुम्हारे शरीर में उस समय समा गया था, जब वे मेरे भेजे गए हूहाहाहू को मारकर तुम्हारे शरीर में समाई थीं !

WWW.RKOSCANS.CO.NR

और जब मैं तुम्हारे शरीर में समा ही गया था, तो फिर मेरे लिए तुम्हारी नागशक्तियों और तुम्हारे मस्तिष्क पर कब्जा करना कौन सी बड़ी बात थी !

और फिर मुझे प्राप्त होगा तिलिस्मी खजाना और नागराज के हत्यारे का खिताब !

एक बात और तुम्हारे दिमाग में खलबली मचा रही होगी नागराज, और वो ये कि मैं जर्मनी के ज्वाला मुखी से बचकर कैसे निकल आया ?

इसका सीधा सा जवाब यह है कि जिस समय ज्वालामुखी फटा उससमय मैं ज्वालामुखी में था ही नहीं। मैं तो उससे कहीं पहले ही नागरूप धारण कर ...

और इसके पीछे मेरा उद्देश्य यह था कि मैं तुम्हें पूरे विश्व में इतना बदनाम करवा देना चाहता था कि तुम स्वयं ही आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाते !

क्रोध से फुंकार उठा नागराज—

—जमीन में तेजी से बिल बनाता हुआ वहां से बहुत दूर निकल गया था—

अच्छा हुआ तूने सभी सवालों का जवाब दे दिया नागदन्त, वरना मुझे ये मलाल जीवनभर रहता कि तेरे साथ ही मेरे सभी सवाल खत्म हो गए।

और नागशक्तियों के बिना तू नागदन्त के सामने एकदम बच्चा है। जिसकी गर्दन नागदंत अब चाहे मरोड़ सकता है।

वार करने को आगे बढ़ा नागराज ...

... लेकिन वार करने में सफल हुआ नागदंत—

धड़ाम

हा हा हा ! तू मुझे मारेगा नागराज, जबकि अब तेरा मेरा कोई मुकाबला नहीं है, तेरी सभी नागशक्तियां मेरे बक्से में यहां पड़ी हैं।

WWW.RKOSCANS.COM

क्रमशः

WWW.RKOSCANS.CO.NR

ONLY RAJ COMICS

तुम को नागराज का रूप मैंने यानी प्रोफेसर नागमणि ने दिया है नागराज... और अगर मैं तुमको बनाने का तरीका जानता हूं, तो तुमको खत्म करने का रास्ता भी जानता हूं।

तुझे मारने के लिए चार तरह के जहरों का तेरे खून में मिलना जरूरी है। मेरे पैदा किए हुए दो जहरीले प्राणी तो तुझे काटकर गल गए। तीसरा तुझे काट रहा है। अब जब चौथा जहर तेरे खून में मिलेगा तो साथ ही साथ, तेरी आत्मा भी परमात्मा से मिल जाएगी।

नागमणि सच कह रहा है। इन तीन जहरों के मिश्रण से मेरे शरीर को लकवा सा मार गया है। ...पर वह चौथ जहरीला प्राणी कौन है और कहां है?

...वह चौथा प्राणी जब नागराज के सामने आएगा तो नागराज के साथ, आप सबकी आंखें भी फटी रह जाएंगी।

नागराज का एक जहरबुझा विशेषांक जो खोलेगा कई रहस्यों की परतें–

जहर

जापान आर्ट प्रेस, नई दिल्ली-28 द्वारा मुद्रित. ☎ 5708884